अपनी दुनिया
को
बदलो

स्टीफन पिंटो

For Private Distribution
प्रथम आवृति – मार्च २०१५
email : stephen.hopnet@gmail.com

प्रिन्टर : पीटर एस परमार
मोबाईल : 9004170222
This Publication may not be reproduced without express written consent of the Author

मैं शुक्रगुजार हूँ

पेस्टर डॉ. रेवरन्ड एन्टोनी मथायस के
लिये क्योंकि इन्ही के अंग्रेजी में लिखा,
''चेंज यौर वल्ड'' का यह अनुवाद है।

मेरी पत्नी लौरेटा के लिये
जिन्होने इस किताब को लिखने में सहायता दी।

मेडम राजहन्स के लिये
जिन्होने इस किताब में सही तरह के
शब्द लिखने में मदद की।

और उन सब भाई और बहनों के लिये
जिन्होने इस किताब के लिये निरन्तर प्रार्थना की।

अपनी दुनिया को बदलो

अपने शब्दों के द्वारा

आप अपने शब्दों को बदलो
आपकी दुनिया भी बदलेगी!

आप अपने शब्दों को बदलो और आप अपने जीवन को बदलेगे!

प्रिय दोस्तों,

मशहूर शोधको ने कहा है कि ७५% जो हम सोचते हैं वह नकारात्मक है, अनुपजाऊ और हमारे विरुद्ध कार्य करता है। हमारा दिमाग जो है एक कम्प्यूटर की तरह है। हमारे जीवन में नकारात्मक रुप से पोषण दिया गया है और इसकी वजह से बहुत से व्यक्ति नाकामयाब निकले हैं। हम काफी समय नकारात्मक बोलते हैं और जो हम कहते हैं वही हमें मिलता है। जो हम कहते हैं उसमें बहुत सामर्थ होता है। मृत्यु और जीवन हमारी जबान के सामर्थ में है। (नीतिवचन १८:२१)

हमारे नकारात्मक बोल की वजह से, हमारा पुराना मन या पुराना संस्कार कहता है– मैं नहीं कर सकता, यह. असंभव है, मैं जानता हुं कि यह कार्य नहीं होगा, मै अपनी जरुरतों को कभी पूरा नहीं कर पाता, मेरे पास समय नहीं है, मैं हर समय कडका रहता हूं, मैं कोई भी चीज़ कभी जीत नही पाता, मुज़को कोई पसंद नहीं करता, मैं कभी कामयाब नही होऊँगा, मेरी जेब में कभी पैसा नहीं रहता, मैं तो एक गरीब व्यक्ति हूं, मैं तो पहले से ही मरा हुआ हूं,

इस दुनिया में रहने का क्या फायदा?, मैं कुछ काम का नही हूं, मेरे परिवार के लोग कहतें हैं, मैं सचमुच मूर्ख हूं। ये सारे शब्द खतरनाक हैं, नाश और नाकामयाबी लेकर आते हैं। शब्द हमें बनाते हैं या तोड देते हैं। हमारे लिये जीवन या मरण लेकर आते हैं। हमारे लिये चंगाई या बिमारी लेकर आते हैं।

पवित्र बाइबल के अनुसार शब्द हमारा या तो नाश या तो वे जीवन, खुशियाँ और स्वास्थ्य लेकर आते हैं। जो शब्द हमने कल बोले थे वे हमारे लिये आज जीवन या मरण के रुप में आते हैं। आप जो कहेंगे वही आपको मिलेगा। जो आप बोयेंगे वही काटेंगें। आप अपने शब्दों के द्वारा आपका संसार बदल सकते हैं। (मरकुस ११:२३)

जब तक कि हमारे नकारात्मक विचार सकारात्मक विचारों से न भरे जाये, हम नाकामयाब रहेंगे, बीमार रहेंगे, आर्थिक स्थिती गंभीर रहेगी और बहुत सारी बुरी स्थितीयाँ उत्पन होंगी। हमारा दिमाग जो हम सब से ज्यादा बोलते हैं वही विश्वास करता है। जो आप अपने बारे में बोलेंगे या कहेंगे वही निर्माण होगा। जैसे एक व्यक्ति अपने हृदय में बोयेगा वह वैसे ही बनेगा। बाइबल कहता है कि हमारे मनो के बदलने से हम बदल सकते हैं। क्या परमेश्वर हमे

कामयाब और धनी देखना चाहता ह?हाँ बिलकुल! कितना महत्वपूर्ण है कि हम अपने मनो से एक बेहतरीन और ज़्यादा कामयाब होने का दर्शन देखें।
(यहोशु १:८, रोमियों १२:१-२)

यह किताब खास करके सामर्थी शब्दों से लिखी गई है, आपके जीवन में कामयाबी लाने के लिये। यह किताब आपके मन को जगायेगा और जो नकारात्मक आदते हैं, उन्हें बदलकर आपके पुराने जीवन में एक सकारात्मक और पुनरउत्पादन करने वाला मन लेकर आयेगा। आप अपने जीवन में बहुत सुधार पाएंगे, अच्छा महसुस करेंगे अपनी नौकरी और घर के क्षेत्र में ज़्यादा उन्नति पाएंगे। आप बदलकर एक कामयाब जीवन का आनंद उठायेगे, और बहुत सारी आशिषों की आशा करेंगे।

यह अच्छा होगा कि हम इन सामर्थी शब्दों को ज़ोर से बोलते हुए अपने कानो से सुन ले और लगभग दो बार इन्हें दोहराए खास करके रात को सोने से पहले और सुबह उठने पर। इन्हे बाकी के समय में भी, विश्राम करते वक्त या यात्रा करते वक्त पढ़ सकते हैं। अच्छी शुरुआत, आधा काम होने के बराबर है। इसीलिए शुरु हो जाओ और अपने जीवन में बेहतरीन कार्यों को होते हुए देखो।

अपने बदलते हुए शब्दों के द्वारा आप अपने संसार को बदलते हुए देखेंगे!

आओ हम शुरूआत करें!

इस पुस्तक में जो भी हम घोषित कर रहे हैं, आपके अभी की परीस्थिती या अनुभव के अनुसार नहीं होगा। बल्कि बिलकुल विरुद्ध हो सकता है। लेकिन यह सारी घोषणाँए पवित्र बाइबल के अनुसार दी गई हैं। अगर हम उसके वचन पर ध्यान देंगे तो वह हमारे जुबानो का फल निर्माण करेगा। हमें याद रखना है, कि जैसे वह है, वैसे ही हम भी इस संसार में हैं। इसीलिए हमें उसकी नकल करनी है, उन चीजों को बुलावा देते हुए जो हैं ही नहीं (जो परमेश्वर हमें दिलाना चाहता है) मानो जैसे वे चीजें पहले से ही मौजूद थी। (भजन संहिता १०३:२०, यशायाह ५७:१९, नीतिवचन १३:२, रोमियों ४:१७)

उदाहरण के तौरपर, जब हम बीमार हैं कहे ''मैं तंदुरूस्त हूँ'', क्यों कि जो चीज आपके पास नही है उसको हम बुला रहे हैं और यही हमे चाहते हैं। लेकिन यह भी बात सच है कि परमेश्वर की सन्तान होने के नाते हम उससे प्रेम करके हर एक बातो में परमेश्वर के आज्ञाकारी

बनना चाहते हैं। क्योंकी आप परमेश्वर में दिलचस्पी रखते हैं, वह आपकी सारी इच्छाओं को पूरा करता है। आप परमेश्वर का राज्य और उसकी धार्मिकता को खोजते हो इसलिए इस संसार की आपकी सारी जरुरतें पूरी की जायेंगी। परमेश्वर अच्छा है, और वह अपने बच्चों की हर एक क्षेत्र मे, इस जीवन मे उन्नति देखने के लिए उत्सुक है। जब आप अपने लिये ये सारी घोषणाएँ जोर से घोषित करते हुए सुनोगे तो घोषणाएँ आपके ह्रदय में या आत्मा मे बस जायेंगे, और वहाँ से लेकर जो भी आप घोषित करोगे वह आपके लिये सच्चाई में बदल जायेगा।

(भजन संहिता ३७:४, मत्ती ६:३३, नीतिवचन ४:२०-२३)

आओं हम सुने परमेश्वर हमसे क्या कहता है और जवाब दे।

परमेश्वर हमसे यह कहता है।

''आप मुझे नहीं जानते होगें लेकिन मैं आपके बारेमें और आपके रास्तों के बारे में सबकुछ जानता हुं। मैंने तुम्हे अपने स्वरुप में बनाया है। आप अपनी माँ की कोख में भी न थे तब से मैं तुम्हे जानता हूं और तुम्हे नियुक्त कर चुका हूँ। (यिर्मयाह १:५)

मैंने तुम्हारा समय और जन्म देने के स्थान को नियुक्त किया है। मैंने ही तुम्हें अपनी माँ की कोख में रचा है और जन्म के दिन इस संसार में बुलाया है। मैं तुम्हे अनंतकाल के प्रेम से प्रेम करता हूँ। यह पहचानलो कि हर एक अच्छी भेंट जो तुम स्वीकार करते हो वह मुझी से आती है। मैं तुम्हारे लिये प्रबन्ध करने वाला हूँ। मेरे पास तुम्हारे भविष्य के लिये एक अच्छी योजना है। तुम मेरे खजाने हो। मैं तुम्हारे लिये भला करना कभी नहीं छोड़ूंगा। मैं तुम्हें महान और आश्चर्य की चीजें बताने की इच्छा रखता हूं। (रोमियों ५:५, यिर्मयाह २९:११, याकूब १:१७, फिलिप्पियों ४:१९, यिर्मयाह ३३:३)

अगर तुम मुझे अपने पूर्ण हृदय से ढूँढोगे मुझे पाओगे। अगर तुम मुझमे आनंद पाओगे, तो मैं तुम्हारे दिल की इच्छाओं को पूरा करुंगा। मैं तुम्हारी कल्पनाओं से भी ज़्यादा करने की काबिलियत रखता हूँ। तुम्हारी समस्याओं में मैं सात्वना और प्रोत्साहन देनेवाला परमेश्वर हूँ। जब तुम्हारा दिल टूटा हुआ है, मैं तुम्हारे पास हूं। जिस तरह एक चरवाहा अपने मेम्ने को अपने कंधो पर रखता है, मैं भी तुम्हे अपने सीने से लगाए रखता हूं। एक दिन जब तुम मेरे साथ स्वर्ग में होंगे, मैं तुम्हारे सारे आंसूओं को पोंछ दुंगा

और जो भी दुख तुमने इस धरती पर उठायें हैं उसे मैं मिटा दुंगा। (यिर्मयाह २९:१३, भजन संहिता ३४:१८, इफिसियों ३:२०, प्रकाशित वाक्य २१:४)

जिस तरह मैं अपने बेटे यीशु से प्रेम करता हूँ, तुमसे भी प्रेम करता हूँ। प्रभु यीशु यह बताने आया कि मैं तुम्हारे साथ हूँ विरोध में नहीं, कि मैं तुम्हारे पापों का हिसाब नहीं रखता। यीशु मेरा पुत्र इसीलिए मरा ताकि मेरा और तुम्हारा मेल–मिलाप हो जाये। यीशु का मरण, मेरे प्यार का एक सबसे बडा चिन्ह है। मैं सृष्टिकरता से भी बढकर हूँ। मैं आदि से तुम्हारा पिता हूँ, मैं पूछता हूँ, क्या तुम मेरी सन्ताने बनोगे?

अगर तुम मेरे बेटे यीशु की भेंट को स्वीकार करोगे, तो तुम मुझे स्वीकार करते हो। (रोमियों ८:३८-३९) मेरे बेटे, मेरी बच्ची, मैं तुम्हें आदेश दूंगा कि तुम्हे किस रास्ते पर जाना है, मैं तुम्हें सलाह देकर, तुम्हारी देखभाल करुंगा। तुम्हारे लिये जो योजनांए बनायी है, मैं उन्हे जानता हूं, तुम्हारी उन्नति के लिये, हानि के लिये नहीं। जब बोझसे दबे हुए हो तो मेरे पास आओ मैं तुम्हे विश्राम दूंगा। मेरे सामने नम्र बनो और मैं तुम्हे ऊचाई पर उठाऊँगा। मैं

विश्वसनीय हूं, मैं तुम्हें बलवंत बनाकर, दृढता से सुरक्षित रखूंगा। (भजन संहिता ३२:८, यिर्मयाह २९:११, यशायाह ४१:१०)

मैं झूठ नहीं बोलता, मैं अपनी प्रतिज्ञाओं को जल्द से पूरा करता हूं। तुमही मेरे आनंद हो, मैं तुम्हें चंगा करनेवाला प्रभु हूं। तुम मेरे वचन के द्वारा चंगाई और छुटकारा पाने की उपेक्षा रख सकते हो। अगर तुम मेरी आज्ञाओं को पढ़कर उनका पालन करो, तब मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे प्रेम की वाचा तुम्हारे साथ रखूंगा, और हर एक रोग से तुम्हें छुटकारा दूंगा। मैं तुम्हें कभी भी ना छोडूंगा ना त्यागूंगा। मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं। मेरे स्वर्गदूत निरंतर तुम्हारी रक्षा करते हैं। (२कुरिन्थियों १:२०, भजन संहिता ९१:११)

अपने आपसे मैं यह कहता हूं

(आप इसे जोर से बोल सकते हैं,
अपनी स्थिति के अनुसार)

मैं प्रभु को धन्य कहूंगा, और उसके कारनामों को कभी नहीं भूलुंगां। वह मेरे सारे अधर्मो को क्ष्मा करता है, और सारे रोगों को चंगा करता है। वह मेरे जीवन को गड्ढे में गिरने से बचाता है। वह मुझे अच्छी अच्छी चीजों से तृप्त

करता है। मैंने उकाब की तरह फिर नया जीवन प्राप्त किया है। हे प्रभु, मेरे पिता मैंने तुझे पुकारा और तूने मुझे चंगा किया। धन्यवाद प्रभु यीशु, मेरे अधर्मो को लेने के लिये और दुख उठाने के लिये। मैं विश्वास करता हूं, कि तूने पेड़ की लकडी पर अपने शरीर पर मेरे पापों को सहा, ताकी मैं पाप के लिये मरकर धार्मिकता के लिये जीऊं। तेरे घावों से मैं चंगा हो गया हूँ। (भजन संहिता १०३:१-५, यशायाह ५३:३-५, १ पतरस २:२४)

न कोई हानि मुझपर आयेगी, न रोग न समस्या मेरे घर के द्वारपर आयेगी, प्रभु यीशु मसीह तूने मुझे न्याय के श्राप से मुक्त कर लिया है। तु ही मेरे जीवन का सामर्थ है, मैं किससे डरुँ?जब मैं कमजोर हूं, तब मैं कहूंगा कि मैं मज़बूत हूं। यीशु के लहू से और मेरे वचन की गवाही के द्वारा मैं शैतान पर विजय पा चुका हूं। परमेश्वर की अनुग्रह से, विश्वास के द्वारा मैंने उद्धार पाया है, जो कि मेरे लिये परमेश्वर की भेंट है। जिसने मुझमे अच्छा कार्य शुरु किया है, वह कार्य प्रभु यीशु के आने तक जारी रखते हुए पुर्ण करेगा। मैं परमेश्वर का वारिस हूँ और प्रभु यीशु के साथ जुड़ा हुआ वारिस हूँ। (गलातियों ३:१३, प्रकाशित वाक्य १२:११, फिलिप्पियों १:६)

आज का दिन यहोवा ने बनाया है, मैं उसमे हर्षित होकर आनंदित रहूँगा। प्रभु मेरा चरवाहा है, और मुझे कोई घटी नहीं है। वह धार्मिकता के रास्ते पर मेरी अगुवाई करेगा। निश्चिंत मरण और बीमारी नहीं लेकिन भलाई और करुणा, जीवन भर मेरा पीछा करेगी। मैं प्रभु के घर में, बहुतायत के घर में, सदा के लिए रहूँगा। (भजन संहिता २३:१६)

मैं प्रभु यीशु में विजय से भी बढकर हूँ, उसीमें मैं हरवक़्त विजय पाता हूँ। उन्होने मुझे छुटकारा दिया है और आगे चलकर भी देगा और सुरक्षित रखेगा। वह जो मेरे अन्दर है, वह उससे भी बढकर है, जो इस संसार में है। प्रभु ही मेरा सामर्थ और मुक्तिदाता है। अनंतकाल का परमेश्वर मेरा शरण स्थान है, और नीचे उनकी सनातन भुजांए हैं। वे मुझे संभालती हैं। कोई भी शस्त्र मेरे विरुद्ध नहीं चलनेवाला, कोई भी वस्तु मुझे हानि नहीं पहुंचा सकती। परमेश्वर ने मुझे भय की नहीं बल्कि प्रेम, सामर्थ और संयम की आत्मा दी है। मैं निश्चिंत होकर प्रभु के वचन को मनन करते हुए आज्ञाकारी बनता हूं, क्यों कि उन्होंने कहा है कि मैं उस पेड़ की तरह बनूंगा जो नदी के किनारे लगाया हुआ है, जो मौसम में अपना फल लाता है

और जो भी कार्य मैं करुँगा उन्नति पाऊँगा। मैं परमेश्वर का कारीगर हूँ, यीशु मसीह में रचा हुआ, अच्छे कार्यों करने के लिये जो परमेश्वर ने पहले से ही मेरे लिये तैयार कियें हैं। मेरे सारे तरीकों को मैं यीशु को समर्पित करता हूँ और वह मेरे रास्तों का मार्गदर्शन करता है। (रोमियों ८:३७, २ कुरिन्थियों २:१४, भजन संहिता १:१, इफिसियों २:१०)

मैं प्रभु यीशु के द्वारा पराजित करनेवाले से भी बढकर हुँ, मैं उसीमें विजय पाता हूँ। उन्होंने मुझे मुक्त किया है, और आगे भी मुक्त रखेगा और मुझे बनाये रखेगा। प्रभु ही मेरा सामर्थ और मुक्तिदाता है। परम पिता मेरा शरण स्थान है, और नीचे उसकी सनातन भुजाएं हैं। कोई भी शस्त्र मेरे विरुद्ध प्रबल नहीं होगा।

कोई भी चीज मुझे हानि नहीं पहुंचा सकती। परमेश्वर ने मुझे एक भय की नहीं लेकिन प्रेम की, सामर्थ की और सयंम की आत्मा दी है। मैं प्रभु के वचनों पर निश्चिंत होकर मनन करता हूं, क्योंकि उन्होने कहा है कि तब मैं उस वृक्ष की तरह रहूँगा जो नदी के किनारे रोपा हुआ है, जो मौसम में फल लाता है और जो भी कार्य मैं करुँगा उसमे उन्नति पाऊँगा। मैं प्रभु यीशु में परमेश्वर का कारीगर हूँ, अच्छे कामो के लिये बनाया हुआ, जो परमेश्वर ने पहले

से ही मुझे करने के लिये रखा हैं। मैं अपनी सारी योजनाओं को उनके तले रखता हूँ और वह मुझे राह बताता है। (रोमियों ८:३७, २ कुरिन्थियों २:१४, भजन संहिता १:१, इफिसियों २:१०)

मैं विश्वास करता हुं, यीशु को दंड दिया गया, ताकी मुझे क्षमा मिले, घायल किया गया, ताकी मैं चंगाई पाऊँ, पाप बनाया गया मेरे पापों से ताकी मैं धार्मिक बनू उसकी धार्मिकता से, मेरी मौत मरा, ताकि मैं उनका जीवन पाऊँ, यीशु मेरे लिये धार्मिक बना ताकि मैं आशिष पा सकूं, मेरी गरीबी को सहा ताकि मैं उसकी बहुतायकता का भागीदार बन सकुं। मुझे विश्वास है, उसने मेरी शर्मिंदगी को सहा, ताकि मैं उसकी महीमा का भागीदार हो सकु, उन्हें जीवन में अस्वीकार किया गया, पर उन्होने वह सहा, ताकि पिता परमेश्वर मुझे अपनी बाहों में स्वीकार कर सके। मुझे विश्वास है, यीशु को मौत के द्वारा हटा दिया गया, ताकि मैं परमेश्वर के साथ अनंतकाल के जीवन में जुड जाऊँ, वह मौत पाकर जी उठा, परमेश्वर के दाहीने हाथ पर बैठा और मैं उसी के साथ जिलाया गया और उन्हीं के साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठा हूँ। मुझे विश्वास है, हर एक वस्तु उसके आधिन की गयी है। पाप को मेरे उपर कोई अधिकार नहीं है। (इफिसियों १:२२)

मैं महाराजाधिराज के गुप्त स्थानों में और महान परमेश्वर की छत्र छाया में निवास करता हूँ। मैं अपने जीवन के हर एक क्षेत्र में विजय अनुभव कर रहा हूँ। परमेश्वर मुझे अपनी असीमित अनुग्रह दया और अच्छाई को दर्शाता है। मैं परमेश्वर के अनुग्रह से बचा हूँ। मै परमेश्वर का कारीगर हूँ, यीशु में रचा हुआ अच्छे कार्य करने के लिये। परमेश्वर की शांति मेरे हृदय पर राज्य करती है। मैं सच को जानता हूँ और सच्चाई मुझे छुटकारा दिलाती है।

मैंने प्रभु को पुकारा और उन्होंने मुझे बचाया। मैं स्थिर होकर प्रभु के उद्धार को देखता हूँ। मैं प्रभु के सामर्थ में मज़बूत हूँ। प्रभु ही मेरे छिपने का स्थान है। परमेश्वर मेरे लिये है और कोई भी मेरे विरुद्ध प्रबल नहीं हो सकता। परमेश्वर मेरे लिये लडता है। वह जो मेरे अंदर है, उससे भी बढकर है जो इस संसार में है। कोई भी शस्त्र मेरे विरुद्ध प्रबल ना होगा। (यूहन्ना ८:३२, १ यूहन्ना ४:४)

परमेश्वर ने मुझे भय की आत्मा नहीं, लेकिन सामर्थ, प्रेम और सयंम की आत्मा दी है। मैं शत्रु के हाथों से मुक्त हो गया हूँ। सर्वशक्तिमान परमेश्वर ही मेरा रक्षक है। क्यों कि मैं परमेश्वर का भय मानता हूँ, प्रभु का स्वर्गदूत मेरे इर्द गिर्द मंडराता है, सारे दुष्ट कार्यों से छुटकारा देते हुए। युद्ध तो प्रभु का है। (२ तीमुथियुस १:७)

प्रभु मेरा सामर्थ और शरणस्थान है, वर्तमान में समस्याओ से बचानेवाला। वह मेरे शत्रुओं के कोप के विरुद्ध अपने हाथों को फैलाकर मुझे बचाता है। प्रभु मुझे सारे दृष्टो के कार्यों से बचाता है। मैं प्रभु यीशु में, जो मुझसे प्रेम करता है, विजय से भी बढकर हूँ। मैं अपने शत्रुओं को रौंदने का सामर्थ रखता हूँ। मैं परमेश्वर को आत्मसमरपण करते हुए, शैतान को नकारता हूँ और वह मुझसे भागता है। मैं कबूल करता हूं, धर्मी सिंह की तरह निडर हूँ और मैं आत्मिक युद्ध में शैतान के विरुद्ध सिंह जैसा निडर ह्रदय हासिल करता हूँ। मैं कबूल करता हूं, वह न मुझे त्यागेगा ना छोडेगा और मैं हर एक कदम पर परमेश्वर की उपस्थिति हासिल करता हूँ। मैं कबूल करता हूँ, परमेश्वर का अभिषेक मुझमे वास करता है, और उसके अभिषेक के द्वारा मैं बन्धनो को तोडने का परिणाम हासिल करता हूँ।

मैं कबूल करता हूँ, यीशु के नाम से मैं दुष्ट आत्माओं को भगा सकता हूँ, और मैं सामर्थिपूर्वक छुटकारा देने का अधिकार हासिल करता हूँ। मैं कबूल करता हूँ, मैं बीमार लोगों पर हाथ रखता हूँ और वे चंगे हो जाते हैं। मैं पीडित लोगों को चंगा करने का सामर्थ हासिल करता हूँ। मैं

कबूल करता हूँ, मेरा परमेश्वर मेरी सारी जरुरतों को पूरा करता है और इसीलिए मुझे कोई घटी नहीं है, क्यों कि मैं परमेश्वर की बहुतायत हासिल करता हूँ। पवित्र आत्मा जो मुझमे कार्य करता है, मेरी समझ से और विनती से कही अधिक काम करता है। (इफिसियों ३:२०)

मैंने बहुतायत से बोया है इसीलिए परमेश्वर घोषित करता है, मैं बहुतायत से काटूंगा। मैं हर्ष से देता हूँ, क्योंकि परमेश्वर हर्ष से देनेवालो को प्रेम करता है। परमेश्वर ही है जो मुझे धन कमाने का सामर्थ देता है। मेरे हृदय की अभिलाषाएँ पुरी होती है, मैं धर्मी हूँ और सिंह की तरह निडर, बलवंत और वीर हूँ। प्रभु मेरा बल और उद्धारकर्ता है, मैं किससे डरुँ?जहाँ पर प्रभु की आत्मा है, वहां छुटकारा है, आज़ादी है। मैं निडर हूँ, क्योंकि परमेश्वर मेरे साथ है। (याकूब ४:७, भजन संहिता २७:१)

मैं प्रभु यीशु में सब कुछ कर सकता हूँ क्योंकि वह मुझे बल देता है। मेरा परमेश्वर मेरी सारी ज़रुरतो को पूरा करता है। मैं मेरी सारी चिन्ताओं को, परवाहों को, निराशाओं को यीशु पर फेंक देता हूँ, क्योंकि वह मेरी परवाह करता है। मैं बेफिक्र हूँ, मैं दंड से मुक्त हूँ। मैं वही कार्यों को

करता हूँ जो मेरे पिता को भाता है। मैं मांगता हूँ और पाता हूँ क्योंकि पिता अपना वचन निभाता है।
(फिलिप्पियों ४:१३)

जो भी मैं घोषित करता हूँ वह हासिल करता हूँ। मैं यीशु को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता घोषित करता हूँ, और मैं उद्धार पाता हूँ। मैं घोषित करता हूँ कि उसके कोढ़े खाने से मैं चंगा हो गया हूँ और चंगाई हासिल करता हूँ। मैं कबूल करता हूँ कि परमेश्वर के पुत्र ने मुझे मुक्त किया है, और आजादी हासिल करता हूँ। मैं कबूल करता हूँ कि परमेश्वर का प्रेम मेरे हृदय में पवित्र आत्मा के द्वारा बसा है और मैं सभी लोगों से प्रेम करने की काबिलियत हासिल करता हूँ।

क्योंकि मैं परमेश्वर से प्रसन्न रहता हूँ, मैं अभिषिक्त हूँ। परमेश्वर सब कुछ कर सकता है और मैं उसके द्वारा महान कार्यों की अपेक्षा रखता हूँ। मैं परमेश्वर के करीब जाता हूँ और वह मेरे करीब आता है। मैं क्षमा करता हूँ और क्ष्मा पाता हूँ। मेरे लिये अब कोई दंड नहीं है। (गलातियों ६:७)

परमेश्वर मेरी ताकत और शरणस्थान है, समस्याओं में उपस्थित रहनेवाला। मैं प्रभु का भय मानते हुए उसपर

विश्वास करता हूँ। वह ही मेरी सहायता और ढाल है। मैं डरुंगा नहीं क्योंकि परमेश्वर मेरे साथ है। वह मुझे बल देकर मेरी सहायता करता है। परमेश्वर मेरे लिये मेरे साथ और मेरे अंदर है। (भजन संहिता ४६:१)

मैं परमेश्वर के द्वारा रचा गया हूँ। उसकी रचना अनोखी है, इसलिये मैं अनोखा हूँ। मैं अपने आप से प्रेम रखता हूँ और मैं अपने परमेश्वर के दिये हुए वरदानो में विश्वास करता हूँ। परमेश्वर के अनुग्रह से मैं सभी कार्यों को अच्छी तरह कर सकता हूँ।

मैं परमेश्वर से और लोगो से प्रेम करता हूँ, मैं आभारी, धन्यवादी और खुश हूँ। मैं दुसरो का आदर करते हुए अपने आप का भी आदर करता हूँ, क्योंकि हम परमेश्वर के समान और उसके स्वरुप में रचे गये हैं। मैं परमेश्वर की सन्तान हूँ। मैं परमेश्वर पर पुरा विश्वास करता हूँ, मैं प्रभु यीशु में एक नई सृष्टि हूँ, पुरानी चीजें चली गयी है, सारी चीजें नई हो गई है। (२ कुरिन्थियों ५:१७)

मेरे पास परमेश्वर की शांति है, जो सारे समझ के बाहर है। मैं अकेला नहीं हूँ। परमेश्वर मेरे बगल में और मेरे करीब हर वक्त रहता है। मैं आत्मविश्वास करता हूँ, वह मेरे

हर एक निर्णय में मेरी अगुवाई और सहायता करेगा। मैं बिना हिचकिचाहट के उसकी अगुवाई पर कार्य शरु करुंगा।

मैं यीशु के द्वारा सब कुछ कर सकता हूं, क्यों कि वह मुझे शक्ति देता है। मैं विजय हांसिल करने वाला व्यक्ति हूँ, क्यों कि प्रभु मुझे सदा विजय दिलाता है, क्यों कि वह मेरे अंदर है। (फिलिप्पियों ४:७)

मैं मज़बूत और अत्यावश्यक रुप से प्रभु में जीवित हूँ। उनके पराक्रमी सामर्थ्य से, शक्ति से भरा हुआ तंदूरस्त हूँ। प्रभु का आनंद मेरी ताकत है, जो मुझे आनन्दपूर्ण और उत्साहपूर्ण बनाता है। मुझे पता है कि उसी में जीवन है, और प्रभु का जीवन मुझमे कार्य करता हुआ, मुझे स्वास्थ्य, ताकत और सामर्थ देता है। मेरे महान वैद्यकी चंगाई देनेवाली अनुग्रह मुझे जीवित रखती है। मैं भला चंगा और मज़बूत हूँ। प्रभु की स्तुति हो।

हे परमेश्वर तेरा जीवन मेरे अंग मे बाढ़ की तरह आकर आरोग्य देता है। धन्यवाद प्रभु, तुने मुझे, एक साफ मन, मज़बूत ह्रदय, फेफडे, नसें, रक्तवाहिनी, भरोसेमंद पाचन व्यवस्था, अच्छी नजर, और सुनने की शक्ति दी है। मैं तंदुरस्त हूँ और मेरे वजन और लंबाई मे तालमेल है।

आपकी सहायता से प्रभु, मैं सही खाद्य पदार्थ खाता हूं, सही प्रमाण में खाता हूँ शरीर का सही वजन बनाए रखता हूँ, शरीर को संभालते हुए, जो कि आपके पवित्र आत्मा का मंदिर है, एक सिद्ध कारीगरी है। परमेश्वर ने मुझे एक भय की नहीं लेकिन प्रेम और संयम की आत्मा दी है। इसीलिए मैं न डरता हूँ न चिंता करता हूँ। मैं निर्माण करनेवाले विचार सोचता हूँ, जो मेरे अंदर से अती उत्तम कार्यों को बाहर पेश करता है।

मेरा मन निरंतर सकारात्मक विचारों मे लगा रहता है। वह हर वक्त हर्षित, प्रकाशित, उत्साहित और अच्छे सकारात्मक विचारों और योजनाओं से भरा रहता है। मैं अपने मन और शरीर में आराम पाता हूँ। मैं शांत और आत्मविश्वास से भरा हुआ हूँ। मेरा मन शीस्त, और अच्छी तरह से व्यवस्थापूर्वक है। मैं जागृत रहकर उन विचारों को चुनता हूँ जो सकारात्मक है, मेरे लिये लाभदायक है। मेरे सारे विचार मेरे अंदर अच्छी तंदुरस्ती निर्माण करती है। (फिलिप्पियों ६:७)

मेरा मन उन्ही विचारों पर गौर करता है, जो संतुलन रखते हुए अच्छी तंदुरस्ती रखता है, मेरे अंदर और बाहर, संसार के इर्द गिर्द भी रखता है। मैं उन्ही कार्यों को करता

हूँ जो मेरे लिये अच्छें हैं। मैं अपने आपमे सबसे उत्तम काम करता हूँ। मैं और लोगों के बीच मे सबसे बेहतरीन तरीकों से आकर्शित होता हूँ और इस संसार में मैं मेरे इर्दगिर्द सबसे उत्तम चीजों को पाता हूँ। मैं अपने पूरे मन से और बिना चूके अपने कार्यों को और कर्तव्यों को निभाता हूँ। मैं चिन्ता नहीं करता। (फिलिप्पियों ४:८)

जैसा प्रभु यीशु स्वर्ग में, उसी तरह मैं भी इस संसार में हूँ। इसलिये मैं उन चीजों की नकल करता हूँ, वस्तुओ ंको बुलाते हुए जो है ही नहीं, जैसे कि वो पहले से मौजूद है। मैं हर दिन हर तरीके से बेहतरीन होता जा रहा हूँ, कामयाबी की ओर बिलकुल निश्चिंत हूँ। परमेश्वर रोज मेरी अगुवाइ और सहायता करता है। मेरी याददास्त बहुत अच्छी है। सभी चीजें मेरी अच्छाई के लिये कार्य कर रही हैं। मेरे पास गुण है, और मैं उन्हे परमेश्वर की महीमा के लिये इस्तमाल करता हूँ। मैं रचनात्मक हूँ, व्यवस्थित हूँ, क्योंकि मेरे अंदर सृष्टिकर्ता रहता है। मेरे पास समय, पैसा और सामर्थ अधिक मात्रा मे है, क्योंकि अधिक महान, प्रबन्ध करनेवाला मेरे अंदर रहता है। वह मुझे सावधानी से पैसे इस्तमाल करने की बुद्धि देता है। मैं देकर, पाता भी हूँ दबा हुआ, हिलाता हुआ, उभरता हुआ, पाता हूँ।
(१ यूहन्ना ४:१७, रोमियों ८:२८)

मैं प्रसन्न हूँ कि मैं, मैं हूँ। मैं सिखने के लिये प्रसन्न रहता हूँ, मैं बलवान हूँ। मैं जीतने वालों में से हूँ। मैं लोगों से प्रेम करता हूँ, और वे भी मुझसे प्रेम करते हैं। मेरी नौकरी से मैं प्रेम करता हूँ। मुझे काम करना अच्छा लगता है। मैं किसी भी समस्या या वातावरण को संभाल सकता हूँ। मैं हर एक कार्य प्रभु यीशु के द्वारा कर सकता हूँ, जो मुझे सामर्थ देता है। जो भी कार्य मुझे करना है, मैं सही समय पे करता हूँ। पवित्र आत्मा मुझे याद करने मे मदद करता है। पवित्र आत्मा ने मुझे अच्छी स्मरण शक्ति दी है और इसीलिये मै हर महत्वपूर्ण कार्य को याद रख सकता हूँ। मैं एक अच्छा सुननेवाला व्यक्ति हूँ, दिलचस्पी रखता हुआ और मेरे इर्दगिर्द जो भी होता है, उससे सावधान होता हुआ रहता हूँ। मैं अपने परिवार और प्रेमी दोस्तों के साथ समय बिताता हूँ। (यूहन्ना ८:३२)

परमेश्वर के अनुग्रह से, जो मैं कार्य करता हूँ और अपने आप को जो खुद के बारे में बोलता हूँ, उसका खुद मैं जवाबदार हूँ। मैं और किसी को दोष नहीं देता। मैं दुसरों को अपना खुद का कर्तव्य निभाने छोडता हूँ। मुझ पर कोई भी निर्भर हो सकता है। मैं विश्वास योग्य हूँ। मैं विचित्र रुप से रचा गया हूँ, मेरे जैसा न कोई पहले था न

फिरसे कोई होगा। मैं खास हूँ क्यों कि परमेश्वर ने मुझे बनाया है। यह सच है कि मेरे जैसा और कोई भी संसार में नहीं है। मैं खुश हूँ कि मैं, मैं हूँ। प्रभु ने मुझे वरदान, निपुणता, योग्यता और बहुत सुंदर गुण दिये हैं। मेरे अंदर और भी छिपे हुए वरदान है जो मुझे पता नहीं है और उन्हे पाने की प्रक्रिया चालु है।

मैं एक विशेष व्यक्ति, एक विशेष समय में जी रहा हूँ। मैं बहुत खुश हूँ कि मैं जीवित हूँ। जैसे यीशु मसीह है, वैसे ही मैं भी इस संसार में हूँ– सकारात्मक, आत्मविश्वास से भरा हुआ, जीवन से भरा हुआ। मेरा मन सचेत है, सावधान है। मैं अच्छे विचार करता हूँ और मेरा मन सारी चीजों को मेरे लिये सही करता है, क्योंकि जिस तरह एक व्यक्ति अपने हृदय में विचार करता है, वैसे ही वह बन जाता है। मैं लोगों के इर्दगिर्द रहना पसंद करता हूँ, और मेरी समझ से लोग भी मेरे इर्दगिर्द रहना पसंद करते हैं। मैं और लोगों की बातों को सुनता हूँ, और मैने यह भी देखा है कि मेरे बोलने पर लोग ध्यान देते है, और मेरे विचारों को जानना भी वे पसंद करते हैं। मैं अंदर से खुश हूँ और बाहर से भी खुश हूँ। मैंने अपनी सभी आशिषों की कदर करना सिखा है। मैं निरंतर सिखता रहूँगा।

मैं जो भी हूँ, अपने आप को पसंद करता हूँ और बहुत खुश हूँ कि मैं, मैं हूँ। मुझे चुनौतियां पसंद है, और मैं उनका सामना करता हूँ। मैं अपनी समस्याओ से डरता नहीं हूँ, उन्हें टालता नहीं हूँ, इन्कार नहीं करता। मैं उनका सामना करता हूँ। परेशानियां मेरी शिक्षक है। वे मुझे सिखने के लिये और उन्नति पाने के लिये सहायता करती हैं। मुझे पता है कि हर एक समस्या के अंदर उसके उत्तर की चाबी भी है। इसीलिये उन्हे सुलझाना मुझे अच्छा लगता है। मेरी सारी समस्याओं से ज्यादा मेरी इच्छा, शक्ति, और इरादा है, क्यो कि मेरे अंदर वह महान पवित्र आत्मा रहता है। मै हर एक सुझाव के लिये सतर्क रहता हूँ, जो मेरे लिये जल्दी और आसानी से आता है। मैं हर वक्त समय की 'योजना' बनाता हूँ। इसलीये जो कार्य मैं करना चाहता हूं, उसके लिये मेरे पास बहुत समय है। (रोमियों ४:३७)

मैं अपने विचारों को, भावनाओं को, बर्तावों को, और ज़रुरतो को नियंत्रण में रखता हूँ। अनेक रास्तों के द्वारा मैं लगातार अच्छाई पाता हूँ। मुझे किसी के विरुद्ध स्पर्धा लड़ने की जरुरत नहीं है, क्योंकि जो मेरे हक का है, वो अनुग्रह द्वारा मेरे ही पास आता है। जब एक द्वार बंद होता

है, तो दुसरा द्वार खुल जाता है। मैं धन्यवाद देता हूँ कि यरीहों की दिवारें गिर गई हैं, और हर एक घटी, प्रतिबंध और नाकामयाबी मेरे विवेक से यीशु मसीह के नाम में पोछ दी गयी है। मैं कामयाबी, खुशी और बहुतायत के रास्ते पर चल रहा हूँ। मेरी अच्छाई में कोई भी बाधा नहीं आ सकती। जो परमेश्वर ने औरों के लिये किया वह मेरे लिये भी किया है और बढकर किया है।

हर एक व्यक्ति जो मेरे जीवन में मुझे मिलता है, वह मेरी कामयाबी ओर मेरी अच्छाई की ओर एक कदम आगे ले चलता है। हर एक व्यक्ति मेरे ज्ञान बढाने का कारण है। हर एक व्यक्ति मेरी उन्नति का कारण है।

निश्चय ही भलाई और दया मेरे जीवन के हर एक क्षणो में मेरा पीछा करेगी। मैं परमेश्वर के भवन में, बहुतायत के घर में सदा वास करुँगा। मेरा परमेश्वर बहुतायत का परमेश्वर है। मैं इसी क्षण मेरी जरुरत को, इच्छा को, और अधिकता से परमेश्वर की ओर से स्वीकार करता हूँ, क्योंकि प्रभु मेरा चरवाहा है, मुझे घटी नहीं हैं। जोभी दैवी अधिकार से मेरा है, वह अनुग्रह के द्वारा चमत्कार से मेरे पास पहुंचता है। मैं मेरे पैसों को भय के साथ, बुद्धिमानी से, पवित्र अत्मिा की अगुवाई के द्वारा खर्च करता हूँ। मेरा

परमेश्वर भरपूरी का परमेश्वर है। मेरी भरपूरी की कोई सीमा नहीं है और मेरी जरुरत तुरन्त उपलब्ध होती है, क्योंकि प्रभु मेरा परमेश्वर मुझमें जीवित है।
(भजन संहिता २३:६)

परमेश्वर अनपेक्षित रास्तों से, उनके आश्चर्यचकित कार्यों का निर्माण करता है। परमेश्वर के साथ इसी क्षण सब कुछ आसान और संभव है। प्रभु तेरा राज्य आये और तेरी इच्छा मेरे जीवन में पूरी हो। मैं परमेश्वर का प्रेम हर किसी को देता हूँ, मेरे शत्रुओं को भी, पवित्र आत्मा के द्वारा क्योंकि परमेश्वर का प्रेम मेरे ह्रदय में छाया हुआ है। मेरे पास आत्मविश्वास है, कि मैं दुसरो से भी प्रेम पाऊंगा। मैं अपना सारा बोझ यीशु को देता हूँ, जो मेरे अंदर है, और मैं छुटकारा पाता हूँ। मेरे पास यीशु का मन है। दैवी मन में कोई नुकसान नहीं है, इसीलिये मेरे हक की चीज को मैं खो नहीं सकता। परमेश्वर कभी देरी नहीं करता, वह खोई हुई चीजों को फिर से देना जानता है। वह मेरे प्राण को स्थापित करता है। जितने सालों से टिडियों ने खाया है वह पुनःनिर्माण करता है। वह छुटकारा देने वाला और पुनःनिर्माण करनेवाला परमेश्वर है। मेरे सारे खर्चे चुकते हो गये हैं और कर्ज़े रद्ध किये गये हैं। (मत्ती ६:१०)

परमेश्वर की जो भी युक्तियां, जो मेरे लिये नहीं है, उन्हे मैं भूल जाता हूँ। मेरे जीवन की परीपूर्ण योजना, अब पूरी हो रही है। मैं अब उन स्थानों को भर रहा हूँ जो और कोई भर नहीं सकता, जो मैं ही पूरा कर सकता हूँ। मैं अब उन कार्यों को पूरा करता हूँ जो मैं ही कर सकता हूँ और कोई नहीं कर सकता। मैं अब मेरे जीवन की सिद्ध योजना को, दैवी नक्षे को सम्पूर्ण करता हूँ। मैं प्रभु में दिलचस्पी रखता हूँ, और वह मेरे हृदय की इच्छाओं को पूरा करता है, मेरी हर योजनाओं को मैं परमेश्वर को समर्पण करता हूँ और वह नये रास्तों को खोल देता है। यीशु ख्रिस्त ने मुझे पूर्ण रुप से मुक्ति दी है, इसलिये कडवाहट और चोट मुझपर अब असर नहीं करती। मैं प्रभु में और उसके सामर्थ्य में मज़बुत हूँ। मेरे स्वर्ग को धरती पर लाने के लिये मुझे सारा सामर्थ्य दिया गया है। महान परमेश्वर ही मेरे अनंतकाल की सुरक्षा है। (इफिसियों ६:१०)

देरी और घटी की दिवारें अब गिर गई हैं और मैं अनुग्रह के द्वारा परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं की भूमि पर प्रवेश कर रहा हूँ। अनपेक्षित कुछ हो रहा है, जो असंभव दिखाई दे रहा था अब संभव है। मेरा सामान परमेश्वर से आता है, बरसता है और अनुग्रह के द्वारा जमा होता रहता है। मेरा

बटवा हमेंशा भरा हुआ रहता है। मैं उसे हर वक्त अनुग्रह और सिद्ध रास्तों के द्वारा नोटों से भरा हुआ देखता हूँ। आज का यह दिन प्रभु ने बनाया है। मैं घोषित करता हूँ कि यह दिन चमत्कारों से और आश्चर्य कर्मो से भरा हुआ होगा। (भजन संहिता ११८:२४)

अभी नियुक्त समय है। मेरे अदभूत और अच्छे भाग्य का आज वह दिन है। परमेश्वर राह बनाता है जहाँ कोई राह नहीं। मेरी अगुवाई दैवी रुपसे हो रही है। मै अपने सामने मेरे लिये एक अद्भूत दृष्य देख रहा हूँ। पुकारने से पहेले ही मुझे मेरा उत्तर मिल गया है। स्वास्थ्य, धन, खुशियाँ, उन्नति और कामयाबी मेरे आनंद उठाने के लिये है। परमेश्वर की महीमा हो। (यशायाह ६५:२४)

जो अभिषिक्त मेरे अंदर रहता है, उसके द्वारा मैं इस जीवन में एक राजा की तरह वास करता हूँ। मेरे पास परमेश्वर के सभी वायदे हैं जो उनमें **हाँ** है। मैं विजयी से भी बढकर हूँ। मैं एक सफल व्यक्ति हूँ। जय मेरी है। मैं अपने सारे बोझ, सारी चिंताए, निराशाओं को एक ही और आकरी बार प्रभु पर निचावर कर देता हूँ क्योंकि वह मेरी परवाह करता है। मैं डर का विरोध करता हूँ इसीलिये वह मुझसे भाग जाता है। मेरा प्रभु मुझे लंबी आयु से संतुष्ट

करता है। मेरी सारी ज़रुरतों को पूरा करता है। इसलिये कि प्रभु मेरा चरवाहा है, मुझे कोई घटी नहीं है। मैं हररोज आशिषों से भरा हुआ रहता हूँ। (रोमियों ५:१७)

इसलिए कि परमेश्वर मेरा अचूक साधन है, मैं धन को मेरे पास तेजी से आने के लिये पुकारता हूँ, अनुग्रह के द्वारा, सिद्ध रास्तों के द्वारा, मेरी हर जरुरतों को पूर्ण करने के लिये पुकारता हूँ। जो भी युक्तियां मेरे पिता परमेश्वर ने नहीं की है, वह रद्ध की जायेगी, पिघला दी जायेगी, और मेरे जीवन के लिये परमेश्वर का दैवी उदेश्य पूरा हो रहा है। तेरा राज्य आये, तेरी इच्छा पूरी हो। मैं वही चाहता हूँ जो परमेश्वर मेरे लिये चाहता है। मैं प्रभु में विश्राम करुँगा और धीरज से उनकी बाट जोता रहूंगा। मैं प्रभु पर विश्वास करुंगा और कार्यों को होता हुआ देखूंगा। मैं मेरा सारा बोझ, यीशु पर जो मेरे अंदर है, समर्पित करता हूँ और मुक्त होकर जाता हूँ। (भजन संहिता ३७:४)

मेरे भंडार भरे हुए हैं, मेरा प्याला आनंद से उमंड रहा है। मैं खुशी महसूस करने के लिये निश्चय करता हूँ, और खूश रहता हूँ। जो भी मेरे सामने हो रहा है, उसे मैं आश्चर्य होकर, आंखें फाड फाड कर देख रहा हूँ। मैं परमेश्वर का कारीगर रोज खुशिओंसे भरे हुए चमत्कार

देखता हूँ। मैं बहुत खुश हूँ कि मैं, मैं हूं और कोई नहीं।

मैं सकारात्मक और कामयाब लोगों के बीच में रहना पसंद करता हूँ। मैं जीतने वालों में से हूँ।

जो विवाह स्वर्ग में हुआ है, वह अब इस धरती पर स्थापित और प्रकट हो चुका है। हम दो एक तन है। (मरकुस १०:९)

सुबह से पहले अंधेरा है, लेकिन सूरज प्रकाश देकर ही रहेगा। मैं अनदेखी चीजों पर विश्वास करने से चूकता नहीं। जब अपेक्षा की कोई उम्मीद नहीं, तब मैं काटूंगा, चमत्कार देखूंगा, मैं पुकारने से पहले ही उत्तर पाऊँगा।

हर योजना जो मेरे स्वर्गीय पिता से नहीं है, रद्ध हो गयी है। मेरे जीवन का दैवी नक्षा अब पूरा हो गया है। इसी क्षण परमेश्वर के साथ सभी चीजें संभव है। मैं अपना सारा बोझ यीशु पर डालता हूँ जो मेरे अंदर है और मैं मुक्त होकर जाता हूँ। मेरे सारे कर्ज रद्ध किये गये है। मैं किसी का कर्जदार नहीं हूँ, सिवाय प्रेम का। (मत्ती १९:२६)

मैं धन्यवाद देता हूँ कि यह वस्तु या संपति दैवी नियुक्त व्यक्ति को बेची गयी है, पूर्ण संतुष्टता के साथ,

सही दाम पर। मेरे पास यीशु का मन है। दैवी मन में कोई स्पर्धा नहीं है । जो हक से मेरा है, वह अनुग्रह के द्वारा मेरे ही पास आयेगा। परमेश्वर मेरी इच्छा की सुरक्षा करता है। मैं पुकारने से पहले ही वह उत्तर देता है। जो भी जानकारी मैं चाहता हूँ, वह अनुग्रह के द्वारा मुझपर प्रगट होती है।

तेरी अपनी इच्छा पूरी हो प्रभु, तेरी इच्छा, मेरी नहीं तेरा समय, मेरा नहीं।

मैं कामयाबी की दौड़ पर चलता हूँ। जब दूसरे लोग कामयाब होते हैं, तब भी मैं प्रसन्न होता हूँ। दुसरे लोग भी मेरे संग काम करना पसंद करते हैं, क्यों कि वे भी कामयाबी की दौड़ पर चलते हैं। मेरी अच्छाई के भरपूर द्वार अब खुलते है। मेरी कामयाबी के लिये मैं धन्यवाद देता हूँ। मेरे शरीर और कार्यों में अब दैवी नियम स्थापित हो गयें है। कोइ भी मेरी तकदीर का खुला हुआ स्थापित दरवाज़ा बंद नहीं कर सकता। जो भी अधिकार से मेरा है, मेरे पास अनुग्रह से आता है। (प्रकाशित वाक्य ३:८)

परमेश्वर का बिना शर्त का बहुतायत का प्रेम मेरे अंदर वास करता है, जो कि डर, शंका, गुस्सा, घृणा को बाहर कर देता है। मैं प्रेम के परमेश्वर का एक प्रेमी सन्तान

हूँ। मेरे अंदर जो प्रेम है, वह सभी को क्षमा करता है। मैं क्षमा करता हूँ और क्षमा पाता हूँ। बले ही मेरे पाप खून जैसे लाल हैं, वे बर्फ से भी सफेद होकर धो दिये गये हैं। मैं प्रेम करता हूँ और प्रेम पाता हूँ। मैं सुंदर और प्रेमी लोगों को मेरे जीवन में आकर्षित करता हूँ। जो लोग मुझे जानते हैं वे मुझे पसंद करते हुए मेरा आदर करते हैं। मैं देता हूँ और आसानी से और खुशी से प्रेम पाता हूँ। मैं अपने आप से और इस संसार से शांत हूँ। कोई भी चीज मुझे परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं कर सकेगी। (रोमियों ८:३८)

मैं दैवी चुनाव के लिये धन्यवाद देता हूँ। मैं तुझपर अपने पूरे हृदय से भरोसा रखूँगा, और अपनी खुद की समझ पर नहीं चलुँगा। अपने हर एक रास्तों को तुझे समर्पित करुंगा, और मैं जानता हुं कि तु मेरे रास्तों पर अगुवाई करेगा। (नीतिवचन ३:६)

मैं प्रभु को पुकारता हूँ और वह मुझे महान और सामर्थी चीजों को बताता है, जो मैंने कभी देखी नहीं है। परमेश्वर मेरे जीवन का चरवाहा है। मेरे हर एक कदम परमेश्वर के बताये हुए हैं और मेरे हर एक कदम से वह प्रसन्न होता है। परमेश्वर राह बनाता है, जहाँ कोई राह नहीं। मैं येशु के प्रकाश में चलता हूँ, और भय भाग जाता

है। जब परमेश्वर मेरे साथ है, तो मेरे विरुद्ध कौन हो सकता है?प्रभु का नाम एक मज़बूत गढ़ है। मैं उसमें दौड़ता हूँ और सुरक्षित हूँ, क्यों कि मेरे पास उसकी धार्मिकता है। अनंतकाल का परमेश्वर मेरी पनाह है और नीचे उसकी सनातन भुजाएं है। मेरे पास परमेश्वर की धार्मिकता है, इसीलिये मैं सिंह जैसा बलवंत हूँ।
(यिर्मयाह ३३:३, नीतिवचन १८:१०)

प्रभु का आनंद मेरी ताकत है। वह जो मेरे अंदर है, वह उससे भी महान है, जो इस संसार में है। मैं प्रभु को पुकारता हूँ और उद्धार पाता हूँ। मैं स्थिर रहकर प्रभु के उद्धार को देख पाता हूँ। मैं प्रभु यीशु में सदा जयवंत रहता हूँ। मैं पराक्रमी परमेश्वर के गुप्त स्थानों में वास करता हूँ, उसकी छत्र–छाया में रहता हूँ। महान परमेश्वर ही मेरा बचाव है। कोई भी बुराई मुझको न छूयेगी न काई बीमारी मेरी छत्र–छाया में प्रवेश करेगी। मेरे विरुद्ध कोई भी शस्त्र सफ़ल नहीं होगा। मेरे पास प्रभु यीशु का मन है, इसलिये मेरी याददास्त को कोई नुकसान नहीं होता। मैं हर महत्वपूर्ण चीज़ को याद रखता हूँ, कोई भी चीज़ भूलता नहीं हूँ और मेरी याददास्त हर रोज बेहतरीन होती जाती है।
(नेहमियाह ८:१०, १ यूहन्ना ४:४)

मेरे जीवन की दैवी योजना के लिये मैं पूर्ण रुप से तैयार हूँ। सारी सृष्टि में मुझ जैसा कोई नहीं है। परमेश्वर की युक्तियाँ मेरे हानि के लिये नहीं, अच्छाई के लिये है, मुझे एक अच्छा भविष्य और आशा देने के लिये। मैं एक नयी सृष्टि हूँ। मैं वही चाहता हूँ, जो परमेश्वर मेरे लिये चाहता है।

मैं परमेश्वर की समानता और स्वरुप में बनाया गया हूँ। प्रभु यीशु का प्रकाश मेरे ज़रीये प्रकट होता है। मैं धन्यवाद देता हूँ, मेरे चमकीले स्वास्थ्य के लिये। मैं संपूर्ण रुप से तंदुरुस्त हूँ। मैं कोई भी बीमारी से इनकार करता हूँ। जैसे मेरे जवानी के दिन, वैसा ही मेरा बल है। प्रभु मुझे लंबी आयु से संतुष्ट करेगा। मैं प्रभु का छुडाया हुआ हूँ, गरीबी से, बीमारी से, मौत से छुडाया हुआ हूँ। प्रभु यीशु मेरा चंगा करने वाला प्रभु है। यीशु ने मुझे व्यवस्था के श्राप से छुटकारा दिया है। इसीलिये मैं बीमारी से मुक्त हूँ। उसके घावों से मैं चंगा हो गया हूँ। (व्यवस्थाविवरण ३३:२५)

मैं धन्यवाद देता हूँ मेरी दैवी यात्रा के लिये, जो कि आध्यात्मिक स्थिति में दैवी साधनो के साथ प्राप्त हुई है। बहुतायत, अनुग्रह के द्वारा मेरे रास्ते में आता है, सिद्ध किये हुए रास्तों से मेरी सारी जरुरतें को पूरी की जाती है। मेरी हर एक ज़रुरतों को पूरा करने के लिये मैं सचमुछ आभारी

हूँ। मैं देता हूँ और जो भी मेरे पास है, उसे बांटता हूँ। मेरे पास हर समय काफ़ी है। पैसा मेरे पास आसानी से, सहज रुप से, बहुतायत से आता है। पहले मैं प्रभु का राज्य और उसकी धार्मिकता को खोजता हूँ और बाकी सारी चीजों को प्रभु मेरे जीवन में जोड़ देता है। मैं हर वक्त प्रभु में प्रसन्न रहता हूँ और वह मेरे दिल की इच्छाओं को पूर्ण करता है। परमेश्वर ही है, जो मुझे धन कमाने का सामर्थ देता है। अनपेक्षित घटनाएँ होती हैं, जो पहले असंभव थी अब संभव है। मेरा परमेश्वर बहुतायत का परमेश्वर है, और अब मैं मेरी सारी इच्छाओं को पाता हूँ और अधिक पाता हूँ। परमेश्वर, मेरा तुरंत और अनंतकाल का साधन है। धन्य हो प्रभु का, जो अंत तक मुझे हर रोज सुविधाओं से भरता रहता है। मैं देता रहता हूँ और पाता हूँ, हिला हुआ दबाकर उभरता हुआ। आज ही वह नियुक्त समय है। आज ही वह मेरे आश्चर्य और अच्छाई से भरा हुआ भविष्य का दिन है।

मैं सकारात्मक हूँ और हर एक कार्यों में उन्नति पाता हूँ। उन्नति मेरे लिये मार्ग ढूंढ रही है, कि किस तरह मेरे जीवन में अपने आप को बयान कर सके। उन्नति के लोग मेरी ओर आकर्शित होते हैं। हर दिन एक अच्छा दिन है। परमेश्वर की अच्छाई और करुणा मेरे जीवन के हर क्षणों

में पीछा करेगी और मैं बहुतायत के घर में सदा के लिये वास करुँगा।

हर एक काम जो मैने ठान लिया है, मैं धीरज से पूरा करता हूँ। मेरे जीवन के हर एक क्षणों में मैं व्यवस्थापूर्वक, निपुण और काबिलियत रखने वालों में से हूँ। लोग मेरे गुणो को नजर रखते हुए मुझसे व्यवहार करना चाहते हैं। इसलिये कि मैं मेरे हर एक कार्य में सच्चाई और इमानदारी से काम करता हूँ, मेरी मेहनत मेरे लिये फल और आर्थिक वरदान प्राप्त करती है। मेरा कार्य और गुण मेरी ज़रुरत के लिये पैसा लाता है। मेरा लगन मुझे कामयाबी लेकर आता है। मैं यीशु में सबकुछ कर सकता हूँ, जो मुझे सामर्थ्य देता है।

मैं परमप्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहता हूँ, जो मेरा शरणस्थान और मेरी सुरक्षा है। मैं बहुतायत से बोता हुआ बहुतायत से काटता भी हूँ। जो मेरे हक का है, वह अनुग्रह के द्वारा मेरे पास आता है। जो भी मेरे पास है, उसके लिये मैं आभारी और शुक्रगुज़ार हूँ। मैं प्रभु में और उसकी शक्ति के प्रभाव में बलवंत हूँ। मैं एक अच्छे स्वास्थ्य का आनंद उठाता हूँ। सारी चीजें मेरी अच्छाई के लिये

कार्य कर रही हैं। मेरे सारे कदम परमेश्वर के हुक्मत से चलते है, और वह मेरे हर कदम से प्रसन्न रहता है।

हर बार जब आप के अंदर एक नकारात्मक उत्तर आता है, तुरन्त उसके विरोध में बोलो। हर एक नकारात्मक बातो को रद्ध करने के लिये निश्चिंत रहो और खुद के हृदय/मन में सकारात्मक शब्द इस्तमाल करो। हर समय परमेश्वर के वचन के आधार पर ही बोलो। परमेश्वर अपने वचन पर नजर रखता है, ताकि वह उसे कार्य में ले आये। परमेश्वर का वचन सचमुच में कार्य करता है। जल्द ही आप अपने जीनेके ढंग में एक सकारात्मक बदलाव देखोगे, जिसके द्वारा आप एक कामयाब इन्सान बनोगे।

धन्य हो प्रभु यीशु का नाम, और उसीकी महीमा हो। आपके हर एक धार्मिक कार्य को वह पूरा करे। प्रभु यीशु आपके जीवन में विजय से विजय तक अगुवाई करें, ताकि हर स्थिति में आप जयवंत हो। परमेश्वर आपको आशिष दे।

लेखक के लिखे हुए पुस्तक

प्रार्थना की तलवार

घोषणा

email : stephen.hopnet@gmail.com

यह पुस्तक आपके जीवन में (वचन पर आधारित) आपके शब्दो के द्वारा, कामयाबी लेकर आयेगा। आपके मन को सकारात्मक शब्दों के द्वारा नया बना देगा।

अगर इस पुस्तक को हर रोज सोने से पहले या सुबह उठते ही पढे, तो आपके मन में जितने भी नाकारात्मक विचार है, मिटा दिये जायेगें। इसे बार बार पढने से आपका जीवन बदल जायेगा। आज से ही शुरुआत करो और आपके व्यक्तिगत जीवन मे चमत्कार देखो।

स्टीवन पिंटो महापराक्रमी और जीवित परमेश्वर का एक दास है, परमेश्वर ने उसे एक पासवान का शिक्षक और प्रचारक का दर्जा दिया है। वह ''प्रार्थना का घर'' (हिंदी सभा) सेवकाई करता है। वाकोला, सांताक्रुझ (पूर्व) में

अपनी दुनिया को बदलो

टोनी मथायस